एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य
2019-20

एम.ए. लोक प्रशासन द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–15	: लोक नीति और विश्लेषण
एम.पी.ए.–16	: विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
एम.पी.ए.–17	: इलैक्ट्रॉनिक शासन
एम.पी.ए.–18	: आपदा प्रबंधन
एम.एस.ओ.–002	: शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमपीएस–003	: भारत : लोकतंत्र एवं विकास

लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2019-2020

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2020**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2020 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2020**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगे:

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगा:

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि:

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.–015 : लोक नीति और विश्लेषण
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–015
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–015/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. नीति-निर्माण में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिये।
2. नीति विज्ञान के महत्त्व की व्याख्या कीजिये तथा समकालीन संदर्भ में लोक नीति के प्रति उसकी प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये।
3. नीति विश्लेषण के लिये प्रणाली मॉडल की व्याख्या कीजिये।
4. लोक नीति निरूपण के मुख्य व्यवरोध क्या हैं?
5. नीति-निर्माण में अंतःसरकारी संबंधों की भूमिका का परीक्षण कीजिये।

भाग–II

6. नीति-कार्यान्वयन शब्द की व्याख्या कीजिये तथा नीति-कार्यान्वयन में आने वाली विभिन्न समस्याओं को उजागर कीजिये।
7. लोक नीति की प्रक्रिया का वर्णन कीजिये तथा प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए उपाय सुझाइये।
8. नीति मूल्यांकन में मुख्य समस्याएँ क्या हैं?
9. नीति विश्लेषण में विधियों और तकनीकों की चर्चा कीजिये।
10. दूरसंचार नीतियों तथा दूरसंचार क्षेत्र में उनके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये।

एम.पी.ए.–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–016
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–016/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के महत्त्व का वर्णन कीजिये।
2. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों की चर्चा कीजिये।
3. 'भागीदारी कार्यक्रम' के सरकार-नागरिक भागीदारी की अच्छे शासन के मॉडल के रूप में जाँच कीजिये।
4. क्रियात्मक विक्रेंद्रीकरण पर एक टिप्पणी लिखिये।
5. पंचायती राज संस्थाओं की कार्यशैली का परीक्षण कीजिये।

भाग–II

6. ग्रामीण स्थानीय संस्थाओं के विभिन्न स्तरों के बीच आंतरिक संबंधों की चर्चा कीजिये।
7. '74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992, नगरपालिकाओं को स्वशासन की प्रभावी संस्था के रूप में कार्य करने के लिये पूर्ण शक्ति प्रदान करता है।' परीक्षण कीजिये।
8. स्थानीय प्रशासन के क्षमता निर्माण के महत्त्व की व्याख्या कीजिये।
9. सतत् विकास और पर्यावरण की मुख्य चुनौतियाँ क्या हैं?
10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिपत टिप्पणियाँ लिखिये :
    क) बहुस्तरीय योजना।
    ख) वृहद्स्तरीय आयोजना की सीमाएँ।

एम.पी.ए.–017 : इलैक्ट्रॉनिक शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–017
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-017/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. ई–शासन की अवधारणा और मॉडलों की चर्चा कीजिए।
2. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को परिभाषित कीजिये तथा उसके घटकों को संक्षिप्त में उजागर कीजिये।
3. संगठनों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की व्याख्या कीजिये।
4. प्रशासन की परंपरागत कार्यशैली में ई-शासन एक इलेक्ट्रॉनिक परिवर्तन लाया है।' उदाहरणों के साथ विस्तृत वर्णन कीजिये।
5. प्रशासनिक संगठन संस्कृति, ई-शासन के प्रति किस प्रकार अनुरूप की जा सकती है?

भाग–II

6. स्थानीय शासन में, विशेषकर पंचायती राज संस्थाओं में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप की आवश्यकता और महत्त्व की चर्चा कीजिये।
7. दूरस्थ शिक्षा के लिये भारत के पहले समर्पित उपग्रह के रूप में 'एडूसेट' (Edusat) पर एक टिप्पणी लिखिये।
8. रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र एक छत्री के रूप में सभी कंप्यूटर संबंधित कार्यों को सम्मिलित करता है।' व्याख्या कीजिये।
9. केंद्र और राज्य सूचना आयोग की शक्तियों और कार्यों का वर्णन कीजिये।
10. ई-कॉमर्स (E-commerce) के अर्थ तथा उपसाधनों एवं ई-कॉमर्स संचालन से होने वाले लाभों की व्याख्या कीजिये।

एम.पी.ए.–018 : आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-018
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-018/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा को परिभाषित कीजिये तथा भारत के संवेदनशीलता रेखाचित्र की चर्चा कीजिये।
2. आपदा चक्र के विभिन्न चरणों को उजागर कीजिये।
3. 'प्रभावशाली आपदा तैयारी एक गतिशील आवश्यकता है'। चर्चा कीजिये।
4. जोखिम मानचित्रण पर एक टिप्पणी लिखिये।
5. समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन (CBDM) के सिद्धांतों तथा रणनीतियों की चर्चा कीजिये।

भाग–II

6. 'आश्रय पुनर्वास संबंधी चिंताए विभिन्न पहलुओं के समक्ष फैली रहती है।' चर्चा कीजिये।
7. राहत वितरण में अंतर्निहित प्रमुख कदमों की चर्चा कीजिये।
8. आपातकालीन संचालन केंद्र पर एक टिप्पणी लिखिये।
9. क्षति आकलन की अवधारणा तथा महत्त्व की चर्चा कीजिये।
10. पुनरुत्थान तथा विकास के बीच अंतर्संबद्धता पर प्रकाश कीजिये।

एम.एस.ओ.–002 : शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2019-20

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।

1. 'समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान में तुलनात्मक विधि के पथप्रदर्शक काफी हद तक उद्‌गम (evolution) के सिद्धांत से प्रभावित थे'। चर्चा कीजिए। 25
2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डनस की प्रत्यक्षवाद की समीक्षा की चर्चा कीजिए। 25
3. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीवादी विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25
4. प्रतिचयन क्या है? प्रायिकता प्रतिचयन की विधियों का वर्णन कीजिए। 25
5. शास्त्रार्थमीमांसा क्या है? अपना उत्तर हैन्स–जॉर्ज गैडेमर के योगदान को ध्यान में रखते हुए लिखिए। 25

भाग II

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषयवस्तु पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए। मूल्यांकन के लिए इस शोध रिपोर्ट को अध्ययन केन्द्र पर जमा करवाएँ।

1. महिला सशक्तीकरण के साधनों के रूप में शिक्षा। 50
2. समकालीन भारतीय समाज में जाति की प्रासंगिकता। 50
3. सामाजिक संबंधों पर मोबाइल फोन के प्रभाव। 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आंकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेखन, अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त कार्यपद्धति और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखें।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र करना होगा और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- मुद्दें को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को संसक्त रूप से व्यक्त करें, और
- अंत में उचित संदर्भों का उल्लेख करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2019-20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारतीय लोकतंत्र में 73वें संवैधानिक संशोधन के महत्व पर चर्चा कीजिए।
2. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों समालोचनात्मक समीक्षा कीजिएः

   क) योजना की अवधारणा

   ख) कराची संकल्प
3. भारत के राष्ट्र–राज्य के लिए नृजातीयता की मुख्य चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।
4. मानव विकास के लिए 'मूलभूत न्यूनतम आवश्यकताओं के दृष्टिकोण' का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
5. ''राजनीतिक भागीदारी ने भारतीय लोकतंत्र को और अधिक समावेशी बना दिया है।'' इस कथन पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

6. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः

   क) लिंग और विकास

   ख) न्यायिक समीक्षा
7. क) प्रवासियों की विशेषताएँ

   ख) सतत् विकास के सिद्धांत
8. लोकतंत्र और विकास एक–दूसरे से कैसे संबंधित हैं? टिप्पणी कीजिए।
9. क) आर्थिक उदारीकरण का प्रभाव

   क) भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका
10. प्रक्रियात्मक तथा सत्तावाचक लोकतंत्र के बीच समानताएं और विभिन्नताओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।